www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 258 | जौनपुर शनिवार, 09 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

भारतीय एयर ऑपरेशन के सामने कमजोर साबित हुआ पाकिस्तान का डिफेंस नेटवर्क

काबुल, (एजेंसी)। भारत का ऑपरेशन सिंदूर इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण था कि पाकिस्तान की रक्षा व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं निकली जितना दावा किया जाता था। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले साल भारत के श्ऑपरेशन सिंदूरश के दौरान, जब पाकिस्तान के रक्षा प्रणालियों को रियल–टाइम टारगेटिंग, एकीकृत वायु रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विरुद्ध परखा गया तो वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे।अफगान डायस्पोरा नेटवर्क की रिपोर्ट में कहा गया कि आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम से यह उम्मीद नहीं होती कि वह हर हमला रोक दे, लेकिन उससे कम से कम अहम सैन्य ठिकानों को बार–बार और एक साथ होने वाले हमलों से बचाने की उम्मीद जरूर की जाती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ऐसा करने में नाकाम रहा।रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय हमलों से पाकिस्तान के एयरफील्ड, हैंगर और रडार सिस्टम को काफी नुकसान पहुंचा। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का एचक्यू–9 लंबी दूरी वाला सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम भी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाया। इसे चीन के एक हाई–एंड सिस्टम के तौर पर पेश किया गया था, जो पश्चिमी और रूसी सिस्टम को टक्कर देने वाला माना जाता था। माना जा रहा था कि यह भारतीय एयर ऑपरेशंस को मुश्किल बना देगा और रणनीतिक एयर बेस की रक्षा करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

ओडिशा के सीएम ने भुवनेश्वर के बालिअंता इलाके में युवक की हत्या पर जताया दुख

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गुरुवार को भुवनेश्वर के बाहरी इलाके बालिअंता में एक युवक की हत्या पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए और मॉब लिंचिंग की घटनाओं की पुनरावृत्ति के खिलाफ चेतावनी दी। सीएम मोहन चरण माझी ने पुलिस महानिदेशक वाईबी खुराना से बात की और घटना की गहन जांच के साथ–साथ इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस प्रशासन और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी सतर्क रहने की सलाह दी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य में मॉब लिंचिंग या भीड़ हिंसा की ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।उन्होंने पुलिस को ओडिशा में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव सख्त कदम उठाने के भी निर्देश दिए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है और जांच जारी है। मुख्यमंत्री ने इस मामले पर राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष शोभना मोहंती से भी चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि मोहंती शुक्रवार को बालिअंता का दौरा करेंगी।

पीएम मोदी ने संस्कृत सुभाषित साझा कर भारतीय सेना के शौर्य को किया नमन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेन्द्र मोदी ने भारतीय सेना के साहस, शौर्य और पराक्रम को नमन करते हुए कहा कि देश की रक्षा के लिए जवानों का समर्पण हर देशवासी को गौरवान्वित करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट साझा कर सेना के जज्बे की सराहना करते हुए लिखा कि "देश के मान–सम्मान की रक्षा के लिए भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम सभी देशवासियों को गौरवान्वित करता है। मां भारती के लिए मर–मिटने का उनका जज्बा हर किसी को प्रेरित करने वाला है।" इस सुभाषित का अर्थ है कि अपने कर्तव्य का बोध होने पर व्यक्ति के मन में किसी भी प्रकार की दुविधा या भय नही होना चाहिए, क्योकि न्याय की वेदी पर धर्म और मर्यादा की रक्षा हेतु किया गया संघर्ष ही एक योद्धा के लिए आत्म–कल्याण का सर्वोतम और सर्वाधिक गौरवशाली मार्ग है। एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने इसे भारत की असाधारण विजय बताया और कहा, श्ऑपरेशन सिंदूर में भारत को मिली विजय हमारे वीर सैनिकों के अद्भुत पराक्रम और देशभक्ति की प्रेरक मिसाल है. उनके साहस और कर्तव्यनिष्ठा पर हर देशवासी को गर्व है.श्ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट की प्रोफाइल फोटो भी बदल दी, जिसमें ऑपरेशन से जुड़ी तस्वीर लगाई गई. उनके साथ विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी प्रोफाइल पिक्चर बदलकर सेना का सम्मान किया.प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सेना के प्रोफेशनलिज्म, तैयारी और तालमेल का उदाहरण बताया. साथ ही, उन्होंने इस ऑपरेशन के जरिए उभरकर सामने आई तीनों सेनाओं की जॉइंट ऑपरेशनल क्षमता, मेड– इन– इंडिया रक्षा सिस्टम की मजबूती और भारत की बढ़ती आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता को भी रेखांकित किया।

केंद्र ने जम्मू–कश्मीर के एलजी को राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर टेलीकॉम सेवाओं पर दिए बड़े अधिकार

कश्मीर, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल को केंद्र शासित प्रदेश में टेलीकॉम सेवाओं पर महत्वपूर्ण नियंत्रण अधिकार प्रदान कर दिए हैं। इन अधिकारों में सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में सिग्नल इंटरसेप्शन, टेलीकॉम सेवाओं का निलंबन और संदेशों को डिक्रिप्ट करने की शक्तियां शामिल हैं। इस संबंध में गुरुवार को केंद्र सरकार की ओर से आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना में राष्ट्रपति के निर्देश का हवाला देते हुए कहा गया है कि जम्मू–कश्मीर के प्रशासक (उपराज्यपाल) टेलीकम्युनिकेशन एक्ट, 2023 की धारा 20 की उपधारा (2) के तहत राज्य सरकार के अधिकारों का इस्तेमाल करेंगे। यह व्यवस्था राष्ट्रपति के नियंत्रण में रहेगी। ये शक्तियां खासतौर पर आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान उपयोगी साबित होती हैं। सुरक्षा बल अक्सर उन इलाकों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर देते हैं, जहां आतंकियों से मुठभेड़ चल रही होती है, ताकि आतंकी अपने साथियों से संपर्क न कर सकें और सुरक्षा बलों की रणनीति का पता न लगा सकें। इस कदम से खुफिया एजेंसियों और सुरक्षाबलों को आतंकवादियों के संचार नेटवर्क को ट्रैक करने और उनकी लोकेशन का पता लगाने में और आसानी होगी।

पीयूष गोयल ने किसानों और कृषि निर्यात को लेकर अहम बैठक की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को किसानों के जीवन स्तर में सुधार, वैश्विक कृषि क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत करने और अफ्रीकी देशों के साथ कृषि सहयोग बढ़ाने को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उनकी मुलाकात इंडियन चैंबर ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर के चेयरमैन एमजे खान के साथ हुई। बैठक में किसानों के कल्याण, भारत की कृषि विशेषज्ञता को वैश्विक स्तर पर साझा करने और खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए नए सहयोगी रास्तों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि भारत और अफ्रीकी क्षेत्र के बीच कृषि सहयोग को और गहरा करने पर भी विचार–विमर्श हुआ, जिससे दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा, पीयूष गोयल ने भारतीय कृषि और मत्स्य उत्पादों के लिए वैश्विक बाजारों में सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी मंजूरी हासिल करने की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक अलग बैठक भी की। मंत्री ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य भारतीय कृषि और मत्स्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना, किसानों और मछुआरों की आय में वृद्धि करना तथा फूड प्रोसेसिंग उद्योग को मजबूत बनाना है।

गृह मंत्री अमित शाह पहुंचे कोलकाता, दक्षिणेश्वर काली मंदिर में की पूजा, नए सीएम के नाम की होगी घोषणा

कोलकाता , (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता पहुंचे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य सामिक भट्टाचार्य और विधानसभा में पूर्व विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने उनका स्वागत किया। कोलकाता में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ एक अहम बैठक करेंगे। इस बैठक में पार्टी के विधायक दल का नेता का चुनाव किया जाएगा। हाल ही में संपन्न हुए बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 293 में से 207 सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो शेयर करते हुए लिखा, "बंगाल ने भाजपा को जो अपार स्नेह, विश्वास और समर्थन दिया, उसके लिए मैं बंगाल वासियों को नमन करता हूं।" इसके बाद अमित शाह एयरपोर्ट से सीधे उत्तर 24 परगना जिले में स्थित प्रतिष्ठित दक्षिणेश्वर काली मंदिर में पूजा–अर्चना की। बताया जा रहा है कि वह कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में स्थित न्यू टाउन का एक होटल में रुकेंगे, जहां वे दोपहर का भोजन करेंगे। इसके बाद, वे न्यू टाउन में ही स्थित बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में विधानसभा में भाजपा के विधायक दल के नेता का चयन किया जाएगा, जो आजादी के बाद पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री भी होंगे। चयन के बाद, भाजपा के विधायक दल के नए नेता और भावी मुख्यमंत्री कोलकाता के लोकभवन जाएंगे और राज्यपाल आरएन रवि से मिलकर नई सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई द्वारा उपलब्ध कराए गए गृह मंत्री शाह के कार्यक्रम के अनुसार, वे न्यू टाउन के उसी होटल में ठहरेंगे। शनिवार सुबह वे होटल से सीधे मध्य कोलकाता स्थित ब्रिगेड परेड ग्राउंड जाएंगे, जहां मुख्यमंत्री और नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह होगा।

द्रमुक या अन्नाद्रमुक ने सरकार बनाने का किया दावा : विजय

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु में नतीजे सामने के बाद स्थिति रोचक हो गई है। कोई भी दल या चुनाव पूर्व गठबंधन सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है। अपने पहले ही विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करने वाले ऐक्टर विजय की पार्टी टीवीके भले ही सबसे अधिक विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन उसके पास सरकार बनाने का बहुमत नहीं है। विजय ने पहले ही डीएमके या एआईडीएमके से समर्थन लेने से इनकार कर दिया है। वह बार–बार राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर रहे हैं, लेकिन पर्याप्त संख्या नहीं होने के कारण उन्हें वापस भेज दिया जा रहा है।गवर्नर से दो बार मिलने के बाद भी टीवीके को सरकार बनाने का न्योता नहीं मिलने पर सियासत गरमा गई है। खबर आ रही है कि स्टालिन की डीएमके और एआईएडीएमके के बीच एक समझौता हो सकता है। दोनों दलों को साथ लाने में भाजपा अहम भूमिका निभा रही है। अगर दोनों के बीच आपसी सहमति बन जाती है तो यह नया गठबंधन भी सरकार बनाने का दावा पेश कर सकता है। द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के निवर्तमान मुख्यमंत्री स्टालिन ने गुरुवार को नव–निर्वाचित विधायकों से पार्टी के हित में नेतृत्व द्वारा लिए गए फैसले का पालन करने को कहा और उन्हें रविवार 10 मई तक चेन्नई न छोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, मेरी इच्छा एक बहुत अच्छे रचनात्मक विपक्ष के तौर पर काम करने की है। फिर भी, मैं पार्टी के हितों को ध्यान में रखते हुए कुछ अहम फैसले लूंगा।डीएमके और एआईडीएके के बीच गठबंधन की अटकलों पर विजय की पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि अगर इन दोनों दलों ने नई सरकार बनाने की कोशिश की तो टीवीके के सभी 108 विधायक इस्तीफा दे देंगे। विजय की पार्टी का तर्क है कि सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते, राज्यपाल को सरकार बनाने के लिए उनके नेता विजय को आमंत्रित करना चाहिए लेकिन अभी तक राज्यपाल ने ऐसा नहीं किया है।आपको बता दें कि विजय थलपति की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (ज्टज्ञ) साधारण बहुमत से दूर है। हालांकि कांग्रेस ने पांच विधायकों के साथ टीवीके को समर्थन देने की पेशकश की है, लेकिन विजय की पार्टी को 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में साधारण बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है।

2020 से भारत के समुद्री क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में 340 प्रतिशत की वृद्धि : सर्बानंद सोनोवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि 2020 से भारत के समुद्री क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में 340 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने सरकार द्वारा एक अधिक समावेशी और भविष्य के लिए तैयार समुद्री कार्यबल बनाने के प्रयासों पर जोर दिया। कल गुरुवार को नई दिल्ली में 10वें 'हिन्द महासागर संवाद' में मुख्य वक्तव्य देते हुए, सोनोवाल ने "नारी शक्ति" को भारत की समुद्री विकास गाथा के एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में रेखांकित किया। सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, " 'सागर में सम्मान' जैसी पहलों के माध्यम से, हम समुद्री क्षेत्र में महिलाओं के लिए गरिमा, समावेशिता और आगे बढ़ने के अवसरों को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसमें 2020 के बाद से लगभग 340 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।" उन्होंने आगे कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में, समुद्री क्षेत्र में यह बदलाव हिंद महासागर क्षेत्र के लिए एक अधिक समावेशी, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार करने में मदद कर रहा है।" केंद्रीय मंत्री ने महिलाओं की भागीदारी में आई इस वृद्धि को भारत के व्यापक समुद्री दृष्टिकोण के अंतर्गत रखा, जो आर्थिक विकास को सामाजिक सशक्तिकरण के साथ जोड़ता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा, कनेक्टिविटी और स्थिरता को बढ़ाने के प्रयासों के साथ–साथ, भारत की समुद्री रणनीति में "मानवीय पहलू" केंद्रीय भूमिका निभाता है। सोनोवाल ने कहा "हिंद महासागर सिर्फ एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि एक वैश्विक जीवनरेखा है। वैश्विक ऊर्जा प्रवाह, व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए इसका महत्व, मजबूत सहयोग, लचीलेपन और समावेशिता की मांग करता है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की समुद्री पहलें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जिनमें 'सागर' (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर आल इन द रीजन) और 'महासागर' जैसे फ्रेमवर्क शामिल हैं।

डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन शाखा जौनपुर का द्विवार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

संजय कुमार सिंह अध्यक्ष और राजकुमार त्रिपाठी बने जनपद मंत्री

जौनपुर। डिप्लोमा फार्मासिस्ट राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन उत्तर प्रदेश शाखा जौनपुर का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं चुनाव शनिवार दिनांक 09 मई 2026 को होटल आदित्य में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया प्रांत द्वारा नामित पर्यवेक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव, मंडलीय सचिव वाराणसी मंडल तथा चुनाव अधिकारी जे.के. सिंह, अध्यक्ष DPRA वाराणसी जनपद की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया गया।

अधिवेशन में जिला अस्पताल जौनपुर के चीफ फार्मासिस्ट संजय कुमार सिंह के नाम का प्रस्ताव अध्यक्ष पद के लिए रणधीर यादव द्वारा रखा गया, जिसका समर्थन गिरीश चंद्र, फार्मासिस्ट मुफ्तीगंज ने किया। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलाव जौनपुर के चीफ फार्मासिस्ट राजकुमार त्रिपाठी के नाम का प्रस्ताव जनपद मंत्री पद के लिए सुनील कुमार सिंह, चीफ फार्मासिस्ट केराकत द्वारा किया गया। उनके प्रस्ताव का समर्थन संतोष कुमार सिंह, चीफ फार्मासिस्ट जिला चिकित्सालय जौनपुर तथा ज्ञान चंद, चीफ फार्मासिस्ट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थाना गद्दी ने किया।

उपस्थित सभी सदस्यों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों का करतल ध्वनि से स्वागत करते हुए सर्वसम्मति से समर्थन किया। चुनाव सम्पन्न होने के बाद नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं मंत्री को अपनी कार्यकारिणी का विस्तार एवं गठन करने के लिए अधिकृत किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों एवं चिकित्सालयों से जुड़े फार्मासिस्ट बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अधिवेशन के दौरान संगठन की मजबूती, कर्मचारियों की समस्याओं और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर भी चर्चा की गई।

संपादकीय

आम मरीजों के हक की रक्षा

ये नहीं कहा जा सकता कि आवश्यक दवाओं के मामले में कंपनियों से कोई नाइसांफी होती है। फिर भी दवा कंपनियों ने 2013 से ही मूल्य नियंत्रण आदेश के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रखी है। अब उन्हें एक न्यायिक सफलता मिली है। बॉम्बे हाई कोर्ट के एक निर्णय के परिणामस्वरूप बहुत–सी जरूरी दवाएं मूल्य नियंत्रण की श्रेणी से बाहर हो जाएंगी। कोर्ट ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश– 2013 की भाषा में मौजूद खामियों का लाभ दवा कंपनियों को दिया है। उसने कहा कि मूल्य संबंधी विनियमों को उन दवाओं पर लागू नहीं किया जा सकता, जिनका स्पष्ट रूप से उपरोक्त आदेश में उल्लेख नहीं है। सरकार इसी आदेश के तहत आवश्यक औषधियों की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) बनाती है, जिनकी मनमाने ढंग से कीमत नहीं बढ़ाई जा सकती। विशेषज्ञों के मुताबिक इस व्यवस्था को नाकाम करने के लिए कंपनियां मूल दवा में मामूली हेरफेर कर उसके नए संस्करण बनाती रही हैं। ये दवाएं अलग नाम से बाजार में उतारी जाती हैं। अब तक 2013 के आदेश की भावना के अनुरूप सरकार ऐसी दवाओं को एनएलईएम में शामिल करती आई है। फिलहाल, इस सूची में 348 दवाएं हैं, जिनके सभी संस्करण (खूराक मात्रा और पॉवर के रूप में) उस सूची में शामिल हैं। अब ये सूरत बदल सकती है। हालांकि सरकार के पास सुप्रीम कोर्ट में जाने का विकल्प है, लेकिन आशंका है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्टे नहीं दिया, तो बीच की अवधि में बहुत–सी दवाएं आम उपभोक्ता की पहुंच से बाहर हो जाएंगी। इसलिए जरूरी है कि सरकार भाषा की खामियों को दुरुस्त करते हुए 2013 के आदेश को नए सिरे जारी करे। यहां उल्लेखनीय है कि कंपनियों को एनएलईएम के तहत आने वाली दवाओं की कीमत साल में एक बार बढ़ाने का अधिकार 2013 के आदेश के तहत मिला हुआ है। गुजरे वर्ष के थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर वे इनके दाम बढ़ाती रही हैं। अंतर सिर्फ यह है कि ऐसी वृद्धि का तर्क उन्हें पेश करना पड़ता है, जिस पर सरकार की नजर रहती है। अतरू ये नहीं कहा जा सकता कि इन दवाओं के मामले में कंपनियों से कोई नाइसांफी होती है। लेकिन दवा कंपनियों ने 2013 से ही उपरोक्त आदेश के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रखी है। अब उन्हें एक न्यायिक सफलता मिली है। मगर सरकार को यह याद रखना चाहिए कि आम मरीजों के हक की रक्षा करना उसकी जिम्मेदारी है।

संकल्प, जिसने भारत की रणनीतिक भूमिका को पुनः परिभाषित किया

हसनैन ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ केवल स्मरणोत्सव के लिए एक तारीख नहीं हैय यह भारत की रणनीतिक सोच में एक सुदृढ़ और निर्णायक बदलाव पर विचार करने का क्षण है। 7 मई 2026 की घटनाएं, एक सफल सैन्य अभियान से कहीं अधिक थींकृ इन घटनाओं ने राजनीतिक इच्छा, सैन्य तैयारी, तकनीकी क्षमता, और राष्ट्रीय संकल्प के समन्वय को रेखांकित किया। कई मायनों में, ऑपरेशन सिंदूर को जटिल, बहु–क्षेत्रीय परिवेश में भारत के भविष्य के संघर्ष संचालन के एक निर्णायक प्रारूप के रूप में याद किया जाएगा। इस सफलता के मूल में अटूट राजनीतिक स्पष्टता थी। दशकों तक, सीमा–पार की उकसावे की घटनाओं पर भारत की प्रतिक्रिया अक्सर स्व–निर्धारित संयम में ही सीमित रहती थी। ऑपरेशन सिंदूर ने संयम का त्याग करने का नहीं, बल्कि इसके परिष्कार को रेखांकित कियाकृ इसने भारत की संवेदनशील तरीके से बल–प्रयोग करने की क्षमता को प्रदर्शित किया, सटीक रणनीतिक संदेश दिया और आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक रूप से स्थिति के विस्तार की क्षमता को बनाए रखा। राजनीतिक नेतृत्व ने न केवल निर्णायक कार्रवाई करने का इरादा दिखाया, बल्कि सैन्य कमांडरों को संचालन में लचीलेपन से सशक्त करने का आत्मविश्वास भी प्रदर्शित किया। उद्देश्य की यह स्पष्टता गति, सटीकता और सामंजस्य में बदल गईकृये तीन विशेषताएं सफल आधुनिक सैन्य अभियानों को परिभाषित करती हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति, जब संस्थागत क्षमता के साथ संयोजित होती है, तो यह एक बल गुणक बन जाती है। ऑपरेशन सिंदूर इस तालमेल का एक बेहतरीन उदाहरण था। भारत की बहु–क्षेत्रीय क्षमताओं का निर्बाध ा एकीकरण भी समान रूप से महत्वपूर्ण था। आधुनिक युद्ध अब केवल भूमि, समुद्र और हवा तक सीमित नहीं हैय यह साइबर, अंतरिक्ष और विद्युतचुंबकीय आयाम तक भी फैल गया है। ऑपरेशन सिन्दूर ने इन क्षेत्रों में प्रभाव पैदा करने में भारत की बढ़ती दक्षता को प्रदर्शित किया। सटीक हमलों में साइबर संचालन ने पूरक भूमिका निभाई, जिसने विरोधियों की संचार और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को बाधित किया। विशेष रूप से हमले के बाद के नुकसान का आकलन करने में, अंतरिक्ष आधारित उपकरणों ने वास्तविक समय में निगरानी और लक्ष्य–निर्धारण सुनिश्चित किया, जबकि इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं ने शत्रु की जवाबी कार्रवाई को कमजोर कर दिया। इस अभियान ने संयुक्त कार्यक्षमता में परिपक्वता को प्रतिबिंबित कियाकृसमन्वय से आगे बढ़कर सच्चे एकीकरण तक। नागरिक–सेना एकीकरण की भूमिका पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर एक अकेला सैन्य अभियान नहीं थाय यह एक पूरे राष्ट्र का प्रयास था। खुफिया एजेंसियों, तकनीकी संस्थाओं और नागरिक नेतृत्व ने सशस्त्र बलों के साथ समन्वय में काम किया। देशी तकनीकोंकृनिगरानी प्रणालियों से लेकर सटीक हथियारों तककृ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो आत्मनिर्भरता में सतत निवेश के लाभ को उजागर करती हैं। इस अभियान ने भारत की निर्णय–निर्माण संरचना की दक्षता भी प्रदर्शित की, जहां अंतर–एजेंसी समन्वय नौकरशाही निष्क्रियता से बाधित नहीं हुआ, बल्कि साझा उद्देश्य की भावना से प्रेरित रहा। अभियान से पहले और अभियान के दौरान भारत की पहलों में रणनीतिक दूरदर्शिता झलकती थी। कूटनीतिक संवाद ने सुनिश्चित किया कि भारत की कार्रवाइयों को वैश्विक स्तर पर सही संदर्भ में समझा जाएकृसटीक, आवश्यक और समानुपाती। दूसरी ओर, पाकिस्तान की प्रतिक्रिया एक अनुमानित मार्ग का पालन कर रही थी। सैन्य दृष्टि से, वह सुसंगत जवाब देने में संघर्ष करता रहा, जिसे क्षमता की कमी और आश्चर्य के तत्व दोनों ने सीमित किया। कूटनीतिक रूप से, उसने स्थिति को अंतरराष्ट्रीय रूप देने का प्रयास किया, लेकिन उसे सीमित सफलता मिली। हालांकि, उसकी प्रतिक्रिया का सबसे स्पष्ट पहलू सूचना क्षेत्र में था। वास्तविक परिस्थितियों को छुपाने के प्रयास में गलत जानकारी की चालाकी से बौछार की गई। फिर भी, विश्वसनीयता और सुसंगत व्यवस्था आम तौर पर अनुपस्थित रहीं। वास्तविक समय पर जानकारी और वैश्विक निगरानी के युग में, ऐसी कहानियाँ जल्द ही बेनकाब हो जाती हैं। इस झूठे प्रचार का स्पष्टता और आत्मविश्वास से सामना करना और विरोध करना आवश्यक है। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय आक्रामकता नहीं थी, बल्कि यह स्पष्ट उकसावे पर संतुलित प्रतिक्रिया थी। उद्देश्यों में सटीकता थी, लक्ष्य वैध थे, और क्रियान्वयन अनुशासित था। भारत की कार्रवाई ने अनुपातिकता और आवश्यकता के सिद्धांतों का पालन कियाय जो संयम के विशेष लक्षण हैं। भारत ने पूरी प्रक्रिया में सूचना की सत्यनिष्ठा बनाए रखी। पारदर्शिता बनाए रखकर और विश्वसनीय संचार चौनलों का उपयोग करके, भारत ने आख्यान को तोड़ने–मरोड़ने के प्रयासों को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया। ऑपरेशन सिन्दूर से कई सबक सामने आये हैं।

संजय राउत ने डोनाल्ड ट्रंप को पत्र में जो कुछ लिखा है उससे विपक्षी नेताओं की देशभक्ति पर सवाल उठ गया है

नीरज

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं की प्रतिक्रियाएं अब केवल राजनीतिक असहमति तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि वह भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्था पर सीधे सवाल खड़े करती दिखाई दे रही हैं। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखना और ममता बनर्जी द्वारा अंतरराष्ट्रीय अदालत जाने की चेतावनी देना इसी प्रवृत्ति का ताजा उदाहरण है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश के आंतरिक मामलों को विदेशी शक्तियों और वैश्विक मंचों तक ले जाना लोकतंत्र की रक्षा है या फिर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास? हम आपको बता दें कि शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे अपने पत्र में पश्चिम बंगाल चुनावों को भय, दबाव और कथित धांधली से प्रभावित बताया। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर भी आरोप लगाए। हैरानी की बात यह है कि यह सब उस समय कहा जा रहा है जब भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे विश्वसनीय और विशाल चुनावी संस्थाओं में गिना जाता है। यदि किसी दल को चुनाव परिणाम स्वीकार नहीं हैं, तो उसके लिए न्यायपालिका, जन आंदोलन और संवैधानिक प्रक्रियाएं मौजूद हैं। फिर विदेशी राष्ट्रपति को पत्र लिखने की आवश्यकता क्यों पड़ी? क्या भारत इतना कमजोर लोकतंत्र है कि यहां के चुनावों का फैसला विदेशी नेताओं की राय से तय होगा? क्या विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर उसे भरोसा नहीं है? यदि हर हार के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाकर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया जाएगा, तो इससे दुनिया में भारत की छवि पर क्या असर पड़ेगा? इस पूरे विवाद में ममता बनर्जी का बयान भी कम गंभीर नहीं है। चुनाव हारने के बाद उनका यह कहना कि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत तक जाएंगी, कई सवाल खड़े करता है। क्या किसी राज्य के चुनावी परिणाम को लेकर संयुक्त राष्ट्र की न्यायिक संस्था में जाने की बात करना भारत की संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न लगाने जैसा नहीं है? जब देश का संविधान, सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग मौजूद हैं, तब विदेशी अदालतों की चर्चा क्यों दरअसल यह वही राजनीति है जिसमें जब तक सत्ता हाथ में रहे तब तक संस्थाएं निष्पक्ष लगती हैं, लेकिन हार मिलते ही चुनाव आयोग, सुरक्षा बल, न्यायपालिका और लोकतंत्र सब कटघरे में खड़े कर दिए जाते हैं। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमजोर करने का प्रयास भी मानी जा सकती है। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्षी दल अपनी राजनीतिक हार को स्वीकार करने का साहस खो चुके हैं? क्या लोकतंत्र केवल तब तक सही है जब तक परिणाम उनके पक्ष में आएं? यदि हर चुनाव के बाद विदेशी शक्तियों से हस्तक्षेप की मांग की जाएगी, तो क्या यह देश की आंतरिक संप्रभुता के खिलाफ कदम नहीं माना जाएगा? भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां सत्ता परिवर्तन चुनावों के माध्यम से होता है, अदालतें स्वतंत्र हैं और मीडिया पूरी तरह सक्रिय है। ऐसे में विदेशी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय मंचों को भारत के घरेलू राजनीतिक विवादों में घसीटना न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता दर्शाता है, बल्कि यह देश की गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन देश की छवि और संस्थाओं की विश्वसनीयता से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। देखा जाये तो लोकतंत्र में हार और जीत दोनों को स्वीकार करना ही सबसे बड़ी लोकतांत्रिक मर्यादा होती है। लेकिन संजय राउत जैसे लोग जोकि खुद करोड़ों के घोटाले के आरोप से जुड़े हैं और जेल काट चुके हैं, वह भारत के लोकतंत्र की शुचिता और जनमत की ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। यहां एक सवाल यह भी उठता है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी गयी बधाई विपक्ष को इतनी चुभ क्यों रही है साथ ही संजय राउत भारतीय लोकतंत्र को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी देखना चाहिए कि स्वयं अमेरिका में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर कितने गंभीर सवाल उठ चुके हैं। दुनिया ने देखा कि वर्ष 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव परिणाम स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। चुनावी धांधली के आरोपों को लेकर उनके समर्थकों ने अमेरिकी संसद भवन कैपिटल हिल पर हमला तक कर दिया था, जिसे अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना गया। उस घटना में हिंसा हुई, कई लोग घायल हुए और पूरे विश्व ने अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्था को संकट में देखा। इतना ही नहीं, ट्रंप लगातार अमेरिकी चुनाव प्रणाली, न्याय व्यवस्था और मीडिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते रहे हैं। ऐसे में भारतीय नेताओं द्वारा अमेरिका को सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र का प्रमाण पत्र बांटने वाला देश मान लेना अपने आप में कई प्रश्न खड़े करता है। भारत में चुनाव करोड़ों मतदाताओं की भागीदारी से शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होते हैं और सत्ता परिवर्तन भी संवैधानिक प्रक्रिया के तहत होता है। इसलिए विदेशी नेताओं से शिकायत करने से पहले विपक्ष को यह भी देखना चाहिए कि जिन देशों की ओर वह उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है, वहां स्वयं लोकतंत्र कितनी चुनौतियों से गुजर रहा है।

इंडी में बिखराव का खतराः विपक्ष के लिए आत्ममंथन का समय

ललित

भारतीय लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी–अपनी अनिवार्य भूमिकाएं हैं। जहां सत्ता नीतियों का निर्माण और क्रियान्वयन करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा, संतुलन और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। लेकिन जब विपक्ष स्वयं ही असंगठित, दिशाहीन और अंतर्विरोधों से ग्रस्त हो जाए, तब लोकतांत्रिक संतुलन भी प्रभावित होता है। हाल के पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि विपक्षी एकता का दावा करने वाला गठबंधन अपने भीतर ही गंभीर संकट से गुजर रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की पराजय और तमिलनाडु में द्रमुक की स्थिति ने विपक्षी खेमे को झकझोरने का काम किया है। यह केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि रणनीतिक विफलता का भी संकेत है और यह प्रश्न भी खड़ा करता है कि क्या विपक्ष केवल भाजपा–विरोध के आधार पर टिक सकता है या उसे एक ठोस वैचारिक और नीतिगत आधार की भी आवश्यकता है। भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता केवल सत्तापक्ष की नीतियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एक सजग, विवेकशील और रचनात्मक विपक्ष पर भी उतनी ही आधारित होती है। विपक्ष का मूल दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना, नीतियों की खामियों को तथ्यों के आधार पर उजागर करना और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संसद एवं समाज के समक्ष रखना है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार का विरोध ी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन का संरक्षक होता है। उसे विकास कार्यों में सहयोग करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बना रहे। दुर्भाग्यवश, पिछले दो दशकों में विपक्ष का एक बड़ा वर्ग इस रचनात्मक भूमिका से भटकता दिखाई दिया है, जहां नीतिगत बहसों की जगह व्यक्तिगत आरोप–प्रत्यारोप और राजनीतिक शोर–शराबा अधिक प्रमुख हो गया है। इंडिया गठबंधन का गठन एक बड़े राजनीतिक उद्देश्य के साथ हुआ था–भाजपा के वर्चस्व को चुनौती देना। प्रारंभिक स्तर पर यह प्रयास कुछ हद तक सफल भी दिखाई दिया, जब इस गठबंधन ने भाजपा को पूर्ण बहुमत से दूर रखने में भूमिका निभाई, लेकिन समय के साथ यह स्पष्ट होता गया कि यह गठबंधन वैचारिक एकता से अधिक राजनीतिक अवसरवाद पर आधारित है। गठबंधन की सबसे बड़ी कमजोरी उसका आंतरिक समन्वय है, जहां विभिन्न दलों के अपने–अपने क्षेत्रीय हित, नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं और अलग–अलग राजनीतिक एजेंडे अक्सर एक–दूसरे से टकराते हैं। सीट बंटवारे से लेकर नेतृत्व के प्रश्न तक, हर स्तर पर मतभेद सामने आते रहे हैं, जिससे यह स्थिति बनती है कि केवल एक साझा विरोध के आध ार पर गठबंधन को स्थायी नहीं बनाया जा सकता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी जैसे प्रमुख चेहरों के बीच जिस तरह की बयानबाजी सामने आई है, वह गठबंध ान की आंतरिक स्थिति को और अध िक उजागर करती है। सार्वजनिक मंचों पर एक–दूसरे की आलोचना करना न केवल राजनीतिक परिपक्वता की कमी को दर्शाता है, बल्कि कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भी भ्रम की स्थिति पैदा करता है। राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें व्यक्त करने का तरीका और मंच भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि जब गठबंधन के नेता ही एक–दूसरे के खिलाफ बयान देने लगें, तो यह संदेश जाता है कि गठबंधन केवल नाम का है और वास्तविकता में वह बिखराव की ओर बढ़ रहा है। महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष का रुख भी उसकी रणनीतिक कमजोरी को उजागर करता है। यह विधेयक भारतीय समाज की आधी आबादी से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय था, लेकिन इसका विरोध जिस रूप में सामने आया, उसने विपक्ष की स्थिति को कमजोर किया। विरोध करना लोकतांत्रिक अध िकार है, लेकिन उसका स्वरूप रचनात्मक होना चाहिए था। यदि विपक्ष इस विधेयक में सुधार के सुझाव देता, उसके क्रियान्वयन की समय–सीमा और प्रक्रिया पर सवाल उठाता, तो वह अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता था, लेकिन सीधे विरोध में खड़ा होना, वह भी बिना स्पष्ट जनसंदेश के यह दर्शाता है कि विपक्ष मुद्दों को समझने और उन्हें सही तरीके से प्रस्तुत करने में चूक कर रहा है। इसका प्रभाव विशेष रूप से महिला मतदाताओं पर पड़ा, जिन्होंने इसे अपने अधिकारों के विस्तार के रूप में देखा और इसी का राजनीतिक लाभ भाजपा ने अपनी रणनीति के माध्यम से उठाया। भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसकी आत्मसमीक्षा और सुधार की क्षमता रही है। हार के बाद भी वह अपने संगठन, नेतृत्व और रणनीति में बदलाव करती है, जिससे वह और अधिक मजबूत होकर सामने आती है। इसके विपरीत, विपक्ष अक्सर अपनी हार के कारणों को बाहरी परिस्थितियों में खोजता है, जिससे वह अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन्हें दूर करने में असफल रहता है। राजनीति में परिपक्वता का अर्थ है हार को स्वीकार करना, उससे सीखना और भविष्य के लिए बेहतर रणनीति बनाना, लेकिन इस दिशा में विपक्ष को अभी लंबा रास्ता तय करना है। विपक्षी गठबंधन के भीतर सबसे बड़ा संकट हितों का टकराव है, जहां हर दल अपने क्षेत्रीय आधार को मजबूत करने की कोशिश करता है और इसी प्रक्रिया में वह अपने सहयोगी दलों से भी प्रतिस्पर्धा करने लगता है। पश्चिम बंगाल, दिल्ली, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में यह द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां सहयोग और प्रतिस्पर्धा एक साथ चलते हैं और अंततः यही स्थिति बिखराव को जन्म देती है। जब तक गठबंधन के भीतर स्पष्ट भूमिका निध ारण, न्यूनतम साझा कार्यक्रम और नेतृत्व की स्वीकृति नहीं होगी, तब तक यह टकराव समाप्त नहीं होगा। विपक्षी दलों की यह नाकामी केवल रणनीतिक कमजोरी नहीं, बल्कि उनके नेतृत्व की मंशा और प्राथमिकताओं पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। जब विपक्ष जनहित के मुद्दों को छोड़कर सत्ता प्राप्ति के लिए अवसरवादी गठजोड़, भ्रामक प्रचार और व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेता है, तब वह अपनी नैतिक विश्वसनीयता खो देता है। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व जनभावनाओं का सच्चा प्रतिनिधित्व करना और सरकार को सही दिशा में प्रेरित करना है, न कि केवल विरोध के लिए विरोध करना। आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपने आचरण और दृष्टिकोण में सुधार लाए, सिद्धांतों और मूल्यों पर आधारित राजनीति को पुनर्जीवित करे तथा जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करे। तभी भारतीय लोकतंत्र वास्तविक अर्थों में मजबूत और संतुलित बन सकेगा।

ऑपरेशन सिंदूर और सिद्धांत, जिसे भारत ने 88 घंटों में निर्मित किया

अनिल

6–7 मई 2025 की रात को, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया कृ यह 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले, जिसमें 26 बेकसूर लोगों की जान चली गई थी, के जवाब में चलाया गया एक सुनियोजित और समयबद्ध सैन्य अभियान था। इसके बाद अगले 88 घंटों में जो कुछ हुआ, वह महज एक सैन्य हमला भर नहीं था, बल्कि यह भारत के नए और पूरी तरह से विकसित रणनीतिक सिद्धांत का प्रदर्शन थारू एक ऐसा सिद्धांत, जिसे स्पष्ट उद्देश्य, तकनीकी आत्मनिर्भरता, राजनीतिक दृढ़ इच्छाशक्ति और पूरे राष्ट्र की एकजुटता से परिभाषित किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु हथियारों से लैस पड़ोसी देशों के बीच सैन्य टकराव के नियमों को फिर से लिखा और एक ऐसी मिसाल कायम की, जो आने वाले कई दशकों तक दक्षिण एशिया की सुरक्षा की दिशा तय करेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पहली बार भारत ने एक ऐसे दुश्मन के खिलाफ लड़ाई लड़ी कृ और जीत हासिल की कृ जो असल में एक ही मोर्चे पर दो देशों की संयुक्त ताकत के रूप में सामने आया था। चीन ने खुद को इस मामले से अलग रखा, लेकिन उसने पाकिस्तान को सक्रिय उपग्रह खुफिया जानकारी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में सहायता, साइबर सहायता और पीएल–15 जैसी दृष्टि–सीमा से परे (बीवीआर) मिसाइलों सहित अग्रिम मोर्चे के सैन्य साजो–सामान भी उपलब्ध ा कराए। भारत ने इन दोनों की संयुक्त ताकत को परास्त किया। नियंत्रित युद्ध का सिद्धांत आधुनिक संघर्षों की एक प्रमुख विफलता कृ रूस–यूक्रेन युद्ध के पाँच साल लंबे संघर्ष से लेकर पश्चिम एशिया के युद्ध क्षेत्र तक कृ यह रही है कि इनमें बाहर निकलने की कोई रणनीति नहीं होती। ऐसे अभियान, जिनका कोई निश्चित अंत न हो, अर्थव्यवस्थाओं को कमजोर करते हैं, जनता के मनोबल को गिराते हैं तथा न तो जीत दिलाते हैं और न ही शांति। इन क्षेत्रों में अमेरिका का पहले ही 27.68 अरब डॉलर से ज़्यादा खर्च हो चुका है और इसका कोई निश्चित अंत भी नजर नहीं आ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर ने सोच–समझकर इस जाल से खुद को बचायाय उसने वह कर दिखाया जो बहुत कम आधुनिक सेनाएँ कर पाती हैंरू पहली मिसाइल दागे जाने से पहले ही सफलता की परिभाषा तय कर लेना। भारत इस अभियान में अपने उद्देश्य को लेकर पूरी तरह स्पष्ट थारू आतंकी ढांचे और उसे पनाह देने वालों को खत्म करना, दुश्मन को ज़्यादा से ज़्यादा नुकसान पहुंचाना और अपनी शर्तों पर बाहर निकल आना कृ जिसमें किसी भी तरफ आम नागरिकों को कोई नुकसान न हो। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने पर्याप्त खुफिया जानकारी के आधार पर नौ लक्ष्य निर्धारित कियेय इनमें से प्रत्येक को लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद, और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी इकोसिस्टम को बनाए रखने में उनकी विशिष्ट भूमिका के लिए चुना गया था। पहला हमला सिफ ´23 मिनट में पूरा कर लिया गया। पूरा अभियान 88 घंटों के अंदर खत्म हो गया, इसके बाद भारत ने दुश्मन को अपनी शर्तों पर युद्धविराम के लिए मजबूर कर दिया कृ यह युद्धविराम बातचीत से नहीं, बल्कि दुश्मन को और भी ज़्यादा और बड़ा नुकसान पहुंचाने की प्रदर्शित क्षमता के कारण हुआ। यह सिद्धांत कृ उद्देश्य के साथ प्रवेश करना, सटीकता के साथ कार्य करना और बिना किसी अतिरेक के बाहर निकलना कृ नियंत्रित युद्ध की एक ऐसी शैली है, जिसका प्रदर्शन आधुनिक सैन्य इतिहास में विरले ही देखने को मिलता है। आने वाले वर्षों में, इसका स्टाफ कॉलेजों में गहन अध्ययन किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के भौगोलिक दायरे ने पिछली सभी सीमाओं को तोड़ दिया। भारत ने अपने शुरुआती हमले सिर्फ पाकिस्तान–अध िकृत जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) तक ही सीमित नहीं रखे, बल्कि वह पाकिस्तान के मुख्य भूभाग पंजाब के भी काफी अंदर तक पहुँच गया। सियालकोट और बहावलपुर में मौजूद ठिकानों परकृजिनमें से बहावलपुर भारतीय सीमा से 140 किलोमीटर से भी ज़्यादा दूर हैकृबेहद सटीक हमले किए गए। बाद में, रावलपिंडी के पास स्थित नूर खान एयरबेस और सरगोध ा में मौजूद परमाणु–वाहक बेस जैसे अहम सैन्य ठिकानों को भी भारत की प्रभावी मारक क्षमता के दायरे में ले आया गया। नूर खान एयरबेस पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और वहाँ के सेना मुख्यालय रावलपिंडी के एकदम नजदीक हैय जबकि सरगोध ा में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को हवाई मार्ग से पहुँचाने वाले साजो–सामान मौजूद हैं। संदेश स्पष्ट था। कोई भी ठिकाना हमारी पहुँच से बाहर नहीं है। 100 से ज़्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें कुछ बड़े आतंकवादी भी थेरू आईसी –814 अपहरण से जुड़ा यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और पुलवामा हमले से जुड़ा मुदस्सिर अहमद। जैश–ए–मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के परिवार के दस सदस्यों को बहावलपुर स्थित मुख्यालय में मार गिराया गया। इन हमलों ने पाकिस्तान की शह पर काम करने वाले सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठनों की कमान–व्यवस्था को पूरी तरह से तबाह कर दिया। शायद सबसे अहम बात यह है कि ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल की पोल खोल दी। दशकों तक, पाकिस्तान की परमाणु छत्रछाया का इस्तेमाल राज्य–प्रायोजित आतंकवाद को छूट देने के लिए किया जाता रहा कृ इसके पीछे एक अनकहा अनुमान यह था कि भारत कभी भी तनाव बढ़ाने का जोखिम नहीं उठाएगा। भारत ने इस अनुमान को पूरी तरह से धवस्त कर दिया। भारत की गहरे और निर्णायक रूप से हमला करने की तत्परता कृ जिसमें पाकिस्तान के परमाणु हवाई बेड़े वाले ठिकाने पर हमला भी शामिल था कृ ने साबित कर दिया कि समीकरण अब हमेशा के लिए बदल चुका है। जिस दिन भारत ने सरगोधा पर हमला किया, दक्षिण एशिया में प्रतिरोध ा का भूगोल हमेशा के लिए बदल गया। अधिकांश युद्धों में, नुकसान एक जगह तक सीमित नहीं रहता। यह सीमाओं, अर्थव्यवस्थाओं और आम नागरिकों के जीवन तक फैल जाता है। ऑपरेशन सिंदूर ने इस प्रारूप को निर्णायक रूप से तोड़ दिया। भारत ने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ढाँचे को गंभीर और लक्षित नुकसान पहुँचाया, जबकि अपने देश में इसका असर लगभग शून्य रहा कृ परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच, आधुनिक इतिहास में यह असंतुलित प्रभाव का बेजोड़ उदाहरण है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पाकिस्तान के चीन से मिले वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा दिया और जाम कर दिया। राफेल जेट, स्कैल्प क्रूज मिसाइलों और हैमर सटीकता–निर्देशित बमों का इस्तेमाल करते हुए, आईएएफ ने सिफ ´23 मिनट में अपनी शुरुआती हमलावर कार्रवाई पूरी कर ली। 9–10 मई को, जब पाकिस्तान ने भारत के नागरिक और सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमला किया, तो भारत ने एक ही समन्वित ऑपरेशन में पाकिस्तान के 11 सैन्य हवाई अड्डों पर हमला किया कृ इतिहास में यह पहली बार था, जब किसी देश ने एक ही समय पर किसी परमाणु–सशस्त्र देश के खिलाफ ऐसा किया हो। इस हमले में पाकिस्तान वायु सेना की लगभग 20 प्रतिशत परिसंपत्ति नष्ट हो गई। भोलारी सैन्य हवाई अड्डे पर भारी जान–माल का नुकसान हुआय जिसमें अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान, हैंगर में खड़े बेहतरीन एफ–16 लड़ाकू विमान और रनवे पर मौजूद एईडब्लूएंडसी विमान भी नष्ट हो गए।

माता शीतला चौकियां माई जगजननी हैं, उनके दर्शन कर मैं स्वयं को धन्य महसूस कर रहा हूं : नीरज तिवारी प्रशासनिक जज

यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में प्रयागराज उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एवं जौनपुर जिले के प्रशासनिक जज नीरज तिवारी ने शनिवार को जौनपुर आगमन के दौरान प्रसिद्ध माता शीतला चौकियां धाम पहुंचकर परिवार सहित विधि–विधान से दर्शन–पूजन किया। मंदिर परिसर में उन्होंने माता शीतला के चरणों में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि "माता शीतला चौकियां माई जगजननी हैं, उनके दर्शन कर मैं

स्वयं को धन्य महसूस कर रहा हूं।" मंदिर पहुंचने पर माता शीतला चौकियां धाम ट्रस्ट की ओर से महंत विवेकानंद विवेक महाराज जी के नेतृत्व में न्यायमूर्ति नीरज तिवारी का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। ट्रस्ट द्वारा उन्हें माता शीतला की प्रतिमा, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला जज जौनपुर सुशील कुमार शशि, सीजेएम श्रीमती स्वेता यादव, जज शालिनी जी, महंत विवेकानंद विवेक महाराज राजेश श्रीवास्तव एडवोकेट, मंदिर प्रबंधक अजय कुमार पंडा, मंदिर अध्यक्ष विकास पंडा, उपमहंत सुजीत पंडा, विशाल पंडा, राजेश पंडा तथा अभिनेता आशीष माली सहित जिले के कई न्यायिक, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में भारी सुरक्षा व्यवस्था भी तैनात रही। न्यायमूर्ति के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

पूर्वांचल के युवाओं को नई उड़ान देगा विश्वविद्यालय परिसर, समर्थ पोर्टल से प्रवेश शुरू

यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आधुनिक शिक्षा, रोजगारपरक पाठ्यक्रमों और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित विश्वविद्यालय परिसर ने नए शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन 8 मई 2026 से प्रारंभ हो चुका है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से समय रहते आवेदन करने की अपील की है। विश्वविद्यालय परिसर में इस वर्ष कुल 56 विषयों एवं एक सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा। इनमें स्नातक, स्नातकोत्तर तथा डिप्लोमा

स्तर के पाठ्यक्रम शामिल हैं। डिप्लोमा स्तर पर तीन, स्नातक स्तर पर 31 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 25 विषय संचालित किए जाएंगे। बीटेक, बीएससी, बीए, विधि, फार्मेसी, व्यवसाय प्रबंधन और अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान जैसे प्रमुख पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेंगे। प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. मिथिलेश सिंह ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन एवं पारदर्शी रखी गई है। विषयवार सीटों की संख्या, पात्रता और आवेदन संबंधी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। विश्वविद्यालय परिसर विद्यार्थियों को आधुनिक प्रयोगशालाएं, समृद्ध केंद्रीय पुस्तकालय, वाई–फाई युक्त कैंपस, इंडोर एवं आउटडोर स्टेडियम तथा छात्रावास जैसी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। बेहतर शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के कारण यह परिसर पूर्वांचल के विद्यार्थियों के लिए तेजी से पसंदीदा केंद्र बनता जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि संस्थान का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, सक्षम और प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए तैयार करना है।

संक्षिप्त खबरें

गुडम्बा पुलिस ने कोर्ट के दो वारंटियों को किया गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना गुडम्बा पुलिस ने न्यायालय के आदेश की अवहेलना कर लंबे समय से पेशी से बच रहे दो वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को उनके घर से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।पुलिस के अनुसार मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय, कक्ष संख्या–26 लखनऊ द्वारा केस संख्या 2560ध्20, क्राइम संख्या 554ध्2019 धारा 323, 504 और 506 भादवि थाना गुडम्बा से संबंधित दो वारंट जारी किए गए थे। न्यायालय के आदेश के बावजूद आरोपी लगातार अदालत में उपस्थित नहीं हो रहे थे।इसी क्रम में थाना गुडम्बा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 07 मई 2026 को उपनिरीक्षक हरिओम पटेल ने हमराही पुलिस बल के साथ ग्राम रजौली थाना गुडम्बा में दबिश देकर दोनों वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सूरज पुत्र बालक राम उम्र 24 वर्ष तथा सुनील रावत पुत्र बालक राम उम्र 40 वर्ष शामिल हैं।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक दोनों आरोपी न्यायालय द्वारा जारी आदेश की लगातार अवहेलना कर रहे थे और निर्धारित तिथियों पर अदालत में उपस्थित नहीं हो रहे थे। इसके बाद न्यायालय से वारंट जारी होने पर पुलिस ने गिरफ्तारी की कार्रवाई की।गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक हरिओम पटेल, कांस्टेबल सूरज कुमार तथा कांस्टेबल दीपक कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है और उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

गोमतीनगर पुलिस ने 2 किलो से अधिक गांजे के साथ तस्कर को दबोचा

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना गोमतीनगर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 किलो 15 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 06 मई 2026 को उपनिरीक्षक कंचन तिवारी द्वारा फर्द बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर थाना गोमतीनगर में मुकदमा संख्या 171ध 2026 धारा 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कराया गया।पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए ।

बीएसए डॉ. गोरखनाथ पटेल का औचक निरीक्षण, बच्चों संग बैठकर खाया मिड–डे मील

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने शनिवार को जनपद के विभिन्न विकासखंडों में स्थित प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, साफ–सफाई, मिड–डे मील व्यवस्था तथा छात्रों की उपस्थिति का जायजा लिया। कई विद्यालयों में व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, जबकि कुछ स्थानों पर गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। धर्मापुर विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय शीतला चौकिया में शिक्षामित्र के अतिरिक्त सभी शिक्षक उपस्थित मिले, लेकिन सुबह 7:50 बजे तक मात्र 14 छात्र उपस्थित पाए गए। कम उपस्थिति पर प्रधानाध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। वहीं विद्यालय परिसर और किचन की बेहतर साफ–सफाई के लिए रसोइया को पुरस्कृत किया गया। अनुपस्थित शिक्षामित्र का मानदेय अग्रिम आदेश तक रोक दिया गया। करंजाकला के प्राथमिक विद्यालय सिद्दीकपुर में सभी शिक्षक उपस्थित मिले तथा शैक्षणिक गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई। वहीं प्राथमिक विद्यालय खानपुर अकबर में विद्यालय परिसर अत्यंत गंदा मिला और जलभराव की समस्या सामने आई। बीएसए ने तत्काल नगर पालिका अधिकारियों से वार्ता कर सुधार के निर्देश दिए, जिस पर एक माह में कार्य पूरा कराने का आश्वासन दिया गया। शाहगंज विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय तरसांवा में बच्चे अव्यवस्थित ढंग से मिड–डे मील ग्रहण करते मिले और कोई शिक्षक मौजूद नहीं था। इस पर नाराजगी जताते हुए बीएसए स्वयं बच्चों के साथ बरामदे में बैठकर भोजन किया। मिड–डे मील की गुणवत्ता खराब मिलने पर प्रधानाध्यापक समेत पूरे स्टाफ का वेतन रोकते हुए नोटिस जारी किया गया। कंपोजिट विद्यालय सिद्दीकपुर में शैक्षणिक गुणवत्ता अच्छी मिलने पर कक्षा 8 के छात्र–छात्राओं आरुषि और विशेष को गणित में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया।

डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन शाखा जौनपुर का द्विवार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। डिप्लोमा फार्मासिस्ट राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन 3050 शाखा जौनपुर का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं चुनाव शनिवार को संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया प्रांत द्वारा नामित पर्यवेक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव, मंडलीय सचिव वाराणसी मंडल तथा चुनाव अधिकारी जे.के. सिंह, अध्यक्ष बीपीआरए वाराणसी की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराई गई। अधिवेशन में जिला अस्पताल जौनपुर के चीफ फार्मासिस्ट संजय कुमार सिंह के नाम का प्रस्ताव अध्यक्ष पद के लिए रणधीर यादव द्वारा रखा गया, जिसका समर्थन गिरीश चंद्र, फार्मासिस्ट मुफ्तीगंज ने किया। वहीं अति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेला के चीफ फार्मासिस्ट राजकुमार बिंद के नाम का प्रस्ताव जनपद मंत्री पद हेतु सुनील कुमार सिंह, चीफ फार्मासिस्ट केराकत द्वारा प्रस्तुत किया गया। उनके प्रस्ताव

का समर्थन संतोष कुमार सिंह, चीफ फार्मासिस्ट जिला चिकित्सालय जौनपुर तथा ज्ञान चंद, चीफ फार्मासिस्ट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कनागद्दी ने किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों का करतल ध्वनि से स्वागत करते हुए सर्वसम्मति से समर्थन किया। चुनाव सम्पन्न होने के बाद नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं मंत्री को अपनी कार्यकारिणी का विस्तार एवं गठन करने के लिए अधिकृत किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों एवं चिकित्सालयों से जुड़े फार्मासिस्ट बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अधिवेशन के दौरान संगठन की मजबूती, कर्मचारियों की समस्याओं और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर भी चर्चा की गई।

तस्वीरों के जरिए उभरी संस्कृति, इतिहास और ग्रामीण जीवन की झलक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में शनिवार को आयोजित फोटोग्राफी प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में 200 से अधिक तस्वीरों के माध्यम से जौनपुर की प्रकृति, संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों और ग्रामीण जीवन के विविध रंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की पत्रकारिता विभाग की समन्वयक डॉ रुचिता चौधरी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि फोटोग्राफी केवल चित्र लेने की कला नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और भावनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। प्रदर्शनी में छात्रों ने जौनपुर की ऐतिहासिक धरोहरों, गांव की सादगी और मिट्टी से जुड़े जीवन को प्रभावशाली ढंग

से कैमरे में कैद किया। शाही किला की ऐतिहासिकता, कुम्हारों की मेहनत, ग्रामीण परिवेश और काशी के घाटों की आध्यात्मिक सुंदरता तस्वीरों के माध्यम से विशेष आकर्षण का केंद्र रही। रमन मिश्र ने ऐतिहासिक धरोहरों को चित्रित किया, जबकि लक्ष्मण कुमार और रामानंद प्रजापति ने ग्रामीण जीवन की सहजता और संघर्ष को तस्वीरों में उकेरा। दिव्यांशु, कन्हैया और पृथ्वीराज ने कुम्हारों के जीवन को संवेदनशील तरीके से प्रस्तुत किया। वहीं कृष्णा, सचिन और अनुराग ने काशी के घाटों की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक छटा को अपनी फोटोग्राफी में जीवंत किया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने मुख्य अतिथि का स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। प्रदर्शनी का संयोजन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुनील कुमार, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. सुरेन्द्र यादव, डॉ. अमित मिश्र समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे।

दुल्हे हत्याकांड में 9 दिन बाद भी आरोपी फरार, बहन ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बीते एक मई को सरायख्वजा थाना अंतर्गत दुल्हे हत्याकांड में नौ दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज मृतक आजाद बिंद की बहन सौम्या बिंद शनिवार को कलेक्ट्रेट पहुंची और जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर न्याय की मांग की। उन्होंने पुलिस पर लापरवाही और आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया। सौम्या बिंद ने कहा कि पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में ढिलाई बरत रही है, जबकि परिवार लगातार भय के माहौल में जी रहा है। उन्होंने बताया कि उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि उनके साथ कोई घटना होती है तो मामले को दबाने की कोशिश की जाएगी, क्योंकि परिवार में आवाज उठाने वाला कोई और नहीं है। सौम्या ने आरोप लगाया कि पुलिस उनके घर पहुंचकर कानून की धाराएं समझा रही है और उन्हें बच्ची बताकर

गंभीरता से नहीं ले रही। उन्होंने कहा कि मामले में नामजद छह आरोपियों में से केवल एक आरोपी ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि प्रदीप बिंद, रवि यादव, अविनाश चौहान, अशोक यादव और भोले राजभर अब भी फरार हैं। उन्होंने प्रशासन से सवाल किया कि जब पहले ही उनके भाई को धमकियां मिलने की सूचना पुलिस को दी गई थी, तो अब सबूत मांगने का क्या औचित्य है। सौम्या ने कहा कि पुलिस ने 10 मई तक कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। पीड़िता ने एसपी से सभी नामजद आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो परिवार को न्याय व्यवस्था पर भरोसा नहीं रहेगा।वही इस मामले में जानकारी लेने पर पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी किया जा रहा है मुख्य आरोपियों के ऊपर इनाम की राशि बढ़ाकर एक लाख रुपए इनाम किया गया है।जल्द ही उनको गिरफ्तार किया जायेगा परिजनों से आज औपचारिक मुलाकात हुई है। परिवार की स्थिति को देखते हुए उनकी मदद करने का प्रयास किया जा रहा है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, कहा- वकीलों के कब्जे हटाने के लिए दें पर्याप्त पुलिस फोर्स

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कैसरबाग स्थित जनपद न्यायालय के आसपास वकीलों की ओर से किए गए कब्जों पर सख्त रुख जारी रखा है। कोर्ट ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि इन कब्जों को हटाने के लिए नगर निगम को पर्याप्त पुलिस फोर्स उपलब्ध कराए। मामले में 25 मई को होने वाली अगली सुनवाई पर अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट भी पेश करने के लिए कहा है। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने यह आदेश अनुराधा सिंह और दो अन्य की याचिका पर दिया। मामले में नगर निगम की ओर से दाखिल रिपोर्ट के अनुसार संबंधित क्षेत्र में 72 अतिक्रमण पाए गए हैं। इनमें ज्यादातर अधिवक्ताओं के चौंबर और अवैध दुकानें हैं। इससे पहले कोर्ट ने नगर निगम को आदेश दिया था कि इन कब्जों को हटाने के लिए जो भी आवश्यक कदम उठाए गए हैं, उन्हें तार्किक अंत तक पहुंचाया जाए। यह भी कहा था कि इसके लिए पुलिस बल की जरूरत हो तो नगर निगम को तत्काल उपलब्ध कराया जाए। बुधवार को हुई सुनवाई में राज्य सरकार के मुख्य स्थायी अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह ने डीसीपी (मुख्यालय) और डीसीपी (पश्चिम) समेत लखनऊ के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिमी) के पत्र पेश किए। इनमें वे कारण बताए गए थे, जिनकी वजह से अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम के अफसरों को पुलिस बल उपलब्ध नहीं कराया जा सका। नगर निगम की ओर से अतिक्रमण हटाने के लिए 12 मई की नई तारीख तय करने की जानकारी कोर्ट को दी गई। इस पर अदालत ने कहा कि इन पत्रों से स्पष्ट है कि कुछ अपरिहार्य वजहों से 25 अप्रैल को पुलिस बल मुहैया नहीं कराया जा सका, लेकिन अगली तय तिथि पर अवैध निर्माण, अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम को समुचित पुलिस बल मुहैया कराया जाएगा। अदालत ने इसके लिए जरूरी कदम उठाने और कार्रवाई से अवगत कराने के लिए 15 दिन का समय दिया है। मामले में अदालत ने पहले कहा था कि जनपद न्यायालय, पुराना हाईकोर्ट परिसर, कलेक्ट्रेट, राजस्व परिषद, पुराना सदर तहसील परिसर, उप–निबंधक कार्यालय, मंडलायुक्त कार्यालय, रेजिडेंसी पावर सब स्टेशन, बलरामपुर अस्पताल, कैसरबाग बस अड्डा व टेढ़ी कोठी के आसपास रहने वाले लोग वकीलों के कब्जों से बुरी तरह त्रस्त हैं। न्यायालय ने संज्ञान में लाई गई घटना का भी जिक्र किया था, जिसमें इस इलाके में अतिक्रमण के कारण एंबुलेंस नहीं निकल सकी थी। इस कारण एंबुलेंस में मौजूद मरीज की मौत हो गई थी।

बाबासाहेब के सामाजिक न्याय के विचार आज भी प्रासंगिक, बीबीएयू में संगोष्ठी एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में बुधवार को डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में "डॉ. अम्बेडकर का सामाजिक न्याय का दृष्टिकोण रू शब्दों से परे समानता" विषय पर संगोष्ठी एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों से जुड़े विचारों को वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक बताया।कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन ऑफ एकेडमिक अफेयर्स एस. विक्टर बाबू ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश शेड्यूल कास्ट फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के वाइस चेयरमैन बिश्व नाथ उपस्थित रहे। मंच पर इतिहास विभागाध्यक्ष एम. रवि कुमार, डॉ. एन.के.एस. मोरे तथा डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक शशि कुमार भी मौजूद रहे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात अतिथियों और शिक्षकों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रुति ने किया।अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. एस. विक्टर बाबू ने कहा कि बाबासाहेब का जीवन संघर्ष, दृढ़ संकल्प और दूरदर्शी सोच का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन, आत्मविश्वास और अटूट इच्छाशक्ति ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। बाबासाहेब ने विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बनाकर समाज में समानता, न्याय और मानवाधिकारों की स्थापना के लिए जीवनभर संघर्ष किया।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग में शाहनवाज खान को मिली बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग में संगठन विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए सोहिल अख्तर अंसारी ने शाहनवाज खान को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग का संगठन कार्यालय प्रभारी मनोनीत किया है।यह नियुक्ति कांग्रेस संगठन के प्रति उनकी निष्ठा तथा अल्पसंख्यक समाज की समस्याओं के समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों को देखते हुए की गई है। नियुक्ति की घोषणा के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल दिखाई दिया।सोहिल अख्तर अंसारी ने उम्मीद जताई कि शाहनवाज खान संगठन को मजबूत करने, अल्पसंख्यक समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेस से जोड़ने तथा पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन–जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि शाहनवाज खान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन इमरान प्रतापगढ़ी तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के हाथों को मजबूत करने का कार्य करेंगे।नियुक्ति के बाद अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सोहिल अख्तर अंसारी का आभार व्यक्त करते हुए शाहनवाज खान को बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में रविंद्रनाथ टैगोर और एस. एन. सुब्बाराव हार्डिकर की जयंती मनाई गई

लखनऊ, (संवाददाता)। आधुनिक भारत के महान साहित्यकार, दार्शनिक और शिक्षाविद रविंद्रनाथ टैगोर तथा प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक, समाजसेवी एवं कांग्रेस सेवादल के संस्थापक एस. एन. सुब्बाराव हार्डिकर की जयंती गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल मध्य जोन के अध्यक्ष सुशील तिवारी, राजमणि शुक्ला सहित बड़ी संख्या में सेवादल कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने दोनों महान हस्तियों के जीवन, विचारों और समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें प्रेरणास्रोत बताया।अपने संबोधन में राजमणि शुक्ला ने कहा कि रविंद्रनाथ टैगोर का व्यक्तित्व अत्यंत बहुआयामी था। वे केवल कवि ही नहीं, बल्कि दार्शनिक, संगीतकार, चित्रकार, नाटककार और समाज सुधारक भी थे। उनके विचार मानवता, प्रेम, प्रकृति और विश्वबंधुत्व पर आधारित थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति और आधुनिक विचारधारा के समन्वय को अपने साहित्य और चिंतन के माध्यम से नई दिशा दी।उन्होंने कहा कि टैगोर ने साहित्य की लगभग सभी विधाओं में अमूल्य योगदान दिया।

बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान ने निभाया अपना वादा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। भारत पाकिस्तान युद्ध 1965 में भारत माता की रक्षा करते हुए शहीद हुए रहीमपुर बदौली निवासी वीर चक्र विजेता हवलदार शहीद देवी प्रकाश सिंह जी के सम्मान में बसहा रतनपुर चौराहा पर शहीद स्मृति द्वार को बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान ने बनवाकर किया शहीद को नमन वहीं सोहावल तहसील क्षेत्र अंतर्गत रहीमपुर बदौली निवासी भारत पाकिस्तान युद्ध 1965 में भारत माता की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए वीर चक्र विजेता हवलदार शहीद देवी प्रकाश सिंह जी के सम्मान में बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान ने अपनी निधि ा से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद से उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से बसहा रतनपुर चौराहा पर शहीद स्मारक के पास शहीद द्वार बनवा करके हजारों लाखों वीर बलिदानियों का सम्मान बढ़ाया है।हवलदार शहीद देवी प्रकाश सिंह जी वर्ष 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध में भारत माता की रक्षा करते हुए शहीद हुए थे । लेकिन वर्ष 1965 को शहीद होने के बाद से अभी तक 60 वर्ष से अधिक समय बीत गया । किसी भी जनप्रतिनिधि ा ने शहीद देवी प्रकाश सिंह जी के सम्मान में शहीद स्मृति द्वार नहीं बनवाया था।लेकिन 20 जुलाई 2025 को जब शहीद देवी प्रकाश सिंह जी के सम्मान में बसहा रतनपुर चौराहा पर बस स्टाप सेवा का हजारों लोगो की मौजूदगी में वीर चक्र विजेता हवलदार शहीद देवी प्रकाश सिंह जी की पत्नी वीर नारी फूलपती देवी जी के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह जी ने बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान जी , भाजपा जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू आदि समेत काफी संख्या में लोगो की मौजूदगी में भव्य शुभारंभ किया था तो शहीद परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान जी ने वीर चक्र विजेता हवलदार शहीद देवी प्रकाश सिंह जी के सम्मान में शहीद स्मृति द्वार बनवाने की घोषणा की थी।उसी कड़ी में आज नौ मई को जब देश के लाखों लोग महाराणा प्रताप जी की जयंती मना रहे थे तो बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान जी ने भारत माता की रक्षा करते हुए शहीद हुए उन सभी सपूतों का नमन करते हुए वीर चक्र विजेता हवलदार शहीद देवी प्रकाश सिंह के सम्मान में बसहा रतनपुर चौराहा स्थित शहीद स्मारक के पास शहीद स्मृति द्वार को देश के इस सपूत की याद में बनवा कर पूर्ण रूप से समर्पित किया।इस नेक कार्य के लिए वीर चक्र विजेता हवलदार शहीद देवी प्रकाश सिंह जी की पत्नी वीर नारी फूलपती देवी,शहीद के भतीजे राम अचल सिंह राम प्रताप सिंह भानु प्रताप सिंह आशीष सिंह उर्फ पंकज सिंह विपिन सिंह,धर्मपाल सिंह समेत सभी परिवारजनों की तरफ से और सभी क्षेत्र वासियों की तरफ से बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान जी को बहुत बहुत बधाई दी गई ।इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार धर्मपाल सिंह ने बताया कि हमारा शहीद परिवार इस नेक कार्य के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान के प्रति आजीवन आभारी रहेगा।इस अवसर पर शहीद परिवार की तरफ से वरिष्ठ पत्रकार धर्मपाल सिंह ने बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान जी का बहुत बहुत आभार जताया और सभी परिवारजनों की तरफ से बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान को बधाई दी है । इस अवसर पर काफी संख्या में लोगो की मौजूदगी रही।

महिला पुलिस ने किया आरोपी का चालान

अयोध्या। शनिवार को महिला थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसका चालान किया।इस संबंध में महिला एसओ आशा शुक्ला ने बताया कि थाना कैंट क्षेत्र के लाल कुर्ती निवासी आरोपी आशीष कन्नौजिया पुत्र स्वर्गीय अशोक कुमार कन्नौजिया को गिरफ्तार कर उसका चालान किया गया। इस मौके पर उप निरीक्षक संजीव मिश्रा महिला उप निरीक्षक सोनी सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रही।

दो दिवसीय पीजीटी परीक्षा पहले दिन शांति पूर्वक ढंग से सम्पन्न

अयोध्या। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज द्वारा संचालित पीजीटी की 9 तथा 10 मई को संचालित दो दिवसीय परीक्षा के पहले दिन शनिवार को 27 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांति पूर्ण ढंग से संपन्न हुई।परीक्षा को पारदर्शी बनाए रखने के लिए पर्यवेक्षक के रूप में आए रिटायर्ड रजिस्टर संजय पाठक ने एडीआईओएस अवनीश कुमार पाण्डेय के साथ कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।जहां पर उन्हें शांति ढंग से परीक्षा सम्पन्न होते हुई मिली।उन्होंने शनिवार को अधिकतर परीक्षा केंद्रों का निरीक्षक किया।उनके अलावा इस परीक्षा को संपन्न करने के लिए नामित जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट भी परीक्षा केदो पर भ्रमणशील रहे।जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में तैनात प्रतियोगी परीक्षा प्रभारी मोतीलाल मौर्या ने बताया कि दो दिवसीय इस परीक्षा में आज पहले दिन शनिवार को प्रथम पाली मे कुल 16 परीक्षा केंद्रों पर 7052 अभ्यर्थियों में से कुल 3151 अभ्यर्थी शामिल हुए जबकि 3901अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।वही दूसरी पाली में कुल 11 परीक्षा केंद्रों पर कुल 4791 अभ्यर्थियों में से 1979 अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल हुए जबकि 2812 अभ्यर्थी परीक्षा में नहीं शामिल हुए।

हजरत ख्वाजा सूफी हरदिल अजीज शाह का 20 वा उर्स मुबारक धूमधाम से मनाया जा रहा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या के बछड़ा सुलतानपुर स्थित रेलवे लाइन के पास हजरत ख्वाजा सूफी हरदिल अजीज शाह का 20वां उर्स हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया गया। वही हजरत ख्वाजा सूफी हरदिल अजीज शाह मजार के सज्जादा नसीन चांद मियां हर दिल अजीजी ने बताया कि इस 20 वां उर्स मुबारक के अवसर पर चार दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। ये कार्यक्रम 7 मई से शुरू हुआ जो पहले दिन सुबह कुरान खानी और शाम मे मिलाद शरीफ, और सरकारी चादर पेश किया गया। 8 मई को सहादतगंज बुचनीगंज से सूफी शकील व सूफी साबिर अली के नेतृत्व में चादर की शोभा यात्रा निकली जो शहर के प्रमुख चौराहे होते हुए बछड़ा सुलतानपुर मे हर दिल अजीज शाह की मजार पर पहुंच कर विशाल चादर पेश की गई। जिसमे हजारो की संख्या में उनके चाहने वाले व मुरीद मौजूद रहे। इस अवसर पर फतिया खानी के साथ देश में अमन चौन खुशहाली तरक्की की दुआ मांगी गई। और प्रदेश के मशहूर कव्वाल अरशद कमली सूफियाना कव्वाली कर सूफी कलाम पेश कर आए हुए जायरीनो का मन मोह लिया। 9मई को लंगर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सभी धर्म के लोग सम्मिलित होंगे और लंगर का प्रसाद ग्रहण करेंगे। और 10 मई को संदल गुसल के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। इस अवसर पर मजार के सज्जादा नसीन चांद मियां हर दिल अजीजी ,पिरानी हाशमी बेगम,सूफी शकील अहमद,सूफी साबिर अली, विवेक मनचंदा,मनोज, मुजम्मिल, हाफिज,आदि अन्य सम्मानित लोग मौजूद रहे।

अविवि की चित्रकला कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने सीखी भारतीय चित्रण परंपरा की बारीकियां

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग एवं राज्य ललित कला अकादमी, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित 20 दिवसीय श्ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशालाश के दूसरे दिन छात्र–छात्राओं ने कला की पारंपरिक तकनीकों का गहन अभ्यास किया।कार्यशाला की संयोजक डॉ. सरिता द्विवेदी ने बताया कि प्रतिभागी अत्यंत उत्साह के साथ नई विधाएं सीख रहे हैं। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के अंतिम दिन छात्र–छात्राओं द्वारा निर्मित उत्कृष्ट कला कृतियों की एक भव्य प्रदर्शनी विभाग में आयोजित की जाएगी। प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए

एक महत्वपूर्ण घोषणा किया कि कार्यशाला की सबसे बेहतरीन कलाकृतियों के लिए जूनियर तथा सीनियर, दोनों वर्गों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।कार्यशाला के मुख्य सत्र की प्रशिक्षक डॉ. रीमा सिंह ललित कला विभाग ने विद्यार्थियों को भारतीय चित्रण परंपरा के विशिष्ट पहलुओं से परिचित कराया। डॉ. रीमा ने प्रयोगात्मक प्रशिक्षण (डेमोस्ट्रेशन) के माध्यम से श्अबीनाश पद्धति (सूखे कागज पर जल से रेखांकन) और श्खाका तैयार करने की विधि (जलीय रेखाओं के आधार पर हल्के लाल रंग से अंकन) सिखाई। साथ ही, तकनीकी सत्र में विद्यार्थियों को ड्राई पेस्टलश रंगों के प्रभावी प्रयोग और उनकी बारीकियों से भी परिचित कराया गया।इस अवसर पर विभाग के प्रो. सुरेंद्र मिश्र, प्रो. प्रिया कुमारी एवं डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रचना श्रीवास्तव ने कार्यशाला का अवलोकन किया और विद्यार्थियों द्वारा सृजित रेखाचित्रों की सराहना की। सत्र में मुख्य रूप से रोहित मौर्या, अनुष्का पाण्डेय, प्रशांत दूबे, झील तिवारी, आस्था, जय प्रकाश, सृष्टि, अमन वर्मा सहित 70 से अधिक छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ता चौंबर निर्माण के लिए जिलाधिकारी ने भेजा प्रस्ताव

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनपद अयोध्या के कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुमंजिला अधिवक्ता चौंबर का निर्माण के संबंध में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने न्याय विभाग प्रमुख सचिव महोदय को प्रस्ताव भेजा है।इसके पहले भी जिलाधिकारी द्वारा चौंबर निर्माण के संबंध में प्रस्ताव प्रमुख सचिव,नियोजन महोदय को भेजा गया था।जिलाधिकारी ने अपने पत्र में बताया है कि वर्तमान में कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं को बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने के कारण कुछ प्रतिकूल परिस्थितियों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अधिवक्ताओं की लंबे समय से चली आ रही इस समस्या के समाधान के उद्देश्य से दो बहुमंजिला अधिवक्ता चौंबर भवनों के निर्माण का प्रस्ताव भेजा है।प्रस्तावित योजना के अनुसार कलेक्ट्रेट परिसर में दो ब्लॉक ब्लॉक–1 एवं ब्लॉक–2 का निर्माण कराया जाएगा, जो जी6 मॉडल पर आधारित होंगे।जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य अधिवक्ताओं को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना तथा न्यायिक कार्यों को अधिक व्यवस्थित, सुगम एवं प्रभावी बनाना है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं और उनके लिए मूलभूत सुविधाओं का विकास प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

महिला थाना परिसर में हुआ विदाई समारोह का आयोजन

अयोध्या। शनिवार को महिला थाना में कांस्टेबल पद पर तैनात ज्योति सिंह का चयन रेडियो हेड ऑफिस लखनऊ में हेड ऑपरेटर पद पर हो गया है।उनके चयन पर महिला थाना परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर महिला थाने पर महिला कांस्टेबल ज्योति सिंह को महिला पुलिस कर्मियों ने माला पहनाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया।वही उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने कहा कि उन्होंने अपने तैनाती के समय काफी सराहनीय कार्य किया जिसे भुलाया नहीं जा सकता।वही चयनित कांस्टेबल ज्योति सिंह ने भी उनके प्रति आभार जताते हुए कहा कि मुझे यहां से बहुत कुछ सीखने को मिला है।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष के अलावा महिला उप निरीक्षक प्रिया, सोनी, श्वेता,के साथ–साथ उप निरीक्षक संजीव मिश्रा के अलावा महिला पुलिस कर्मियों में प्रेरणा, ज्योतिमा, साक्षी,सोनिया, नेहा भदौरिया, श्वेता, गायत्री, रीता सहित अन्य महिला पुलिसकर्मी मौजूद रही।

अयोध्या-रायबरेली हाईवे पर तलवार से केक काटकर युवकों ने किया स्टंट,पुलिस ने की कार्रवाई

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले में हाईवे पर स्टंटबाजी और यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाने का मामला सामने आया है।अयोध्या–रायबरेली हाईवे पर कुछ युवकों ने बीच सड़क पर दो गाड़ियां तिरछी खड़ी कर दीं और तलवार से केक काटकर जश्न मनाया।इस दौरान हाईवे पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती रही।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है।मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार रात कुछ युवक दो कारों से हाईवे पर पहुंचे थे।दोनों वाहनों पर सफेद नंबर प्लेट लगी हुई थी। युवकों ने बीच सड़क पर गाड़ियां खड़ी कर दीं और फिर एक युवक कार के बोनट पर रखे केक को तलवार से काटने लगा। आसपास मौजूद उसके साथी हूटिंग करते हुए वीडियो बनाते रहे।करीब दस मिनट तक हाईवे पर यह तमाशा चलता रहा, जिससे अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।वीडियो वायरल होने के बाद ट्रैफिक पुलिस हरकत में आई।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हाईवे पर वाहन खड़ा कर जाम लगाना, सार्वजनिक स्थान पर हथियार का प्रदर्शन करना और नियमों के विपरीत नंबर प्लेट का इस्तेमाल करना गंभीर उल्लंघन है।मामले में मोटर व्हीकल एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है।सीओ मिल्कीपुर पियूष पाल ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर गाड़ियों के नंबर ट्रेस किए गए हैं। जांच के बाद एक कार को सीज कर दिया गया है, जबकि दूसरी गाड़ी का चालान किया गया है।वहीं खंडासा थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि जिस वाहन पर युवकों ने स्टंटबाजी की थी उसे कब्जे में ले लिया गया है।पुलिस अब वायरल वीडियो के जरिए युवकों की पहचान कराने में जुटी है।क्षेत्र में चर्चा है कि दोनों वाहन कमर्शियल श्रेणी के बताए जा रहे हैं, लेकिन उन पर सफेद नंबर प्लेट लगाई गई थी।पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।अधिकारियों के मुताबिक कमर्शियल वाहनों पर पीली नंबर प्लेट अनिवार्य होती है और नियमों के उल्लंघन पर टैक्स चोरी का मामला भी बन सकता है।

महाराणा प्रताप की जयंती शौर्य दिवस के रूप में हर्षोल्लास पूर्वक मनी

अयोध्या। शहर के लालबाग स्थित क्षत्रिय बोर्डिंग के प्रांगण में छात्र नेता विशाल कुमार वैश्य व दिव्यांग सिंह के नेतृत्व में महाराणा प्रताप की जयंती शौर्य दिवस के रूप में मनाई गई।इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर गोसाईगंज विधानसभा के विधायक अभय सिंह ने प्रांगण में महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।उनके द्वारा किए गए कार्यों और बलिदान को याद कर प्रेरणा का स्रोत बताया।कहां कि हम लोगों को महाराणा प्रताप जी से सीख लेना चाहिए कि सूर्य वीर पराक्रमी महाराणा प्रताप जी कितने देशभक्त थे उन्होंने देश के हित में किस तरीके से कार्य किया और हिंदुत्व को आगे बढ़ने का कार्य किया। हम सबको उन्हीं के बताए हुए मार्गों पर चलना चाहिए। वही आए हुए अतिथियों का युवा छात्र नेता विशाल कुमार वैश्य व दिव्यांश सिंह ने कई किलो की माला पहनाकर स्वागत किया। वही छात्र नेता विशाल कुमार वैश्य व दिव्यांश सिंह ने बताया कि आज हम लोग महाराणा प्रताप जी की जयंती शौर्य दिवस के रूप में बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर गोसाईगंज विधानसभा के विधायक अभय सिंह व बीकापुर विधायक अमित सिंह चौहान, मेयर व अन्य जनप्रतिनिधि लोग इस कार्यक्रम में सम्मिलित रहे।हम सभी को महाराणा प्रताप जी के जीवन से सीख लेने की जरूरत है कि उन्होंने देश हित में किस तरह से कार्य किए हैं और हिंदुत्व को बढ़ाने का कार्य किया है। और हम सभी को उन्हीं के बताए हुए मार्गों पर चलना चाहिए। इस कार्यक्रम के अवसर पर सूर्य नारायण सिंह पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष आलोक सिंह पूर्व पार्षद,शंभू नाथ जायसवाल, काजल पाठक,कप्तान सिंह अखंड प्रताप सिंह आदि अन्य सम्मानित लोग मौजूद रहे।

सरयू नदी में डूबे तीन युवकों में से एक युवक का शव जल पुलिस ने किया बरामद,दो की तलाश जारी

अयोध्या। गुरुवार को सुबह सरयू नदी में स्नान करते समय डूबे तीन युवको में से एक युवक का शौक जल पुलिस ने शनिवार की सुबह 6रू00 बजे घटनास्थल से 1 किलोमीटर दूर हेलीपैड स्थल के समीप से बरामद किया। जबकि अभी भी दो युवकों का शव जल पुलिस नहीं बरामद कर सकी है।बरामद किए गए युवक के शव की पहचान राज गुप्ता के नाम पर हुई है।जिसे मृतक के परिजनों ने पहचान लिया है।बताते चलें गुरुवार को सरयू नदी में नहाते समय दुबे तीनों युवकों की तलाश जल पुलिस तथा लगभग 10 गोताखोर कर रहे है।मालूम हो कि डूबने वाले तीनों लड़के बस्ती के रहने वाले थे।ये लोग दोस्त का बर्थ डे मनाने अयोध्या पहुंचे थे।जहाँ पर सरयू नदी के किनारे लक्ष्मण घाट पर स्नान करने गए थे।किशन ने बताया कि सभी अपने दोस्तों अभिषेक कुमार, सुजल और राज गुप्ता के साथ अयोध्या पहुंचा था। गुरुवार सुबह सभी दोस्त लक्ष्मण घाट पर स्नान करने पहुंचे।नदी में नहाने के लिए अभिषेक कुमार, सुजल और राज गुप्ता उतर गए।जबकि किशन सोनी बाहर बैठा रहा।किशन ने बताया कि मेरे दोस्त नहाते हुए घाट से दूर जा रहे थे।मैंने उन्हें रोका। मगर वह नहीं माने।तभी अचानक तीनों डूबने लगे।मैंने शोर मचाया तो शोर सुनकर घाट पर मौजूद जल पुलिस और गोताखोरों ने नदी में छलांग लगा दी।मगर मेरे तीनों दोस्तों का पता नहीं लग सका।शनिवार को तीन युवकों मे से एक युवक का शव जल पुलिस व गोताखोर में बरामद कर लिया है जबकि दो युवकों की अभी भी सब ढूंढने में जल पुलिस तथा गोताखोर लगे हुए हैं।

हर्षोल्लास पूर्वक मना राज शिशु प्ले स्कूल में मनाया गया मातृ दिवस

अयोध्या। राम शिशु प्ले स्कूल दिल्ली दरवाजा में आज माता दिवस के अवसर पर विद्यालय में हर्षोल्लास से बच्चों द्वारा अपनी माता को वंदन करते हुए अपनी भावनाओं को व्यक्त किया।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉक्टर संतोष गर्ग ने फीता काटकर किया। इस मौके पर बच्चों के साथ आए हुए सभी मातृ शक्तियों को सौभाग्य टीका लगाकर उनके ऊपर पुष्प वर्षा करते हुए स्वागत किया गया।कार्यक्रम में अंश सोनी,काव्य यादव रानी कुमारी ने तू कितनी अच्छी है तू कितनी भोली है मां पर बहुत मनमोहक नृत्य किया। कार्यक्रम की संचालन कर रही विद्यालय की अध्यापिका खुशबू निषाद ने कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मां तो मां ही होती है मां है तो सब है मां से ही सारी खुशियां है।वही मुझे माफ करना ओ साई राम का गीत पर अक्षय सोनी, काव्य यादव और नव्या गुप्ता ने अत्यंत मनमोहन डांस किया,सभी उपस्थित अभिभावक ने भाव विभोर होकर बच्चों को गले से लगा लिया।कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए विद्यालय की अध्यापिका ज्योति शर्मा ने बताया की किस तरह से मां–बाप कठोर परिश्रम करते हुए अपने बच्चों की हर खुशी में को पूरा करने के लिए रात दिन मेहनत करते है।हमें अपने माता–पिता को हमेशा आदर सम्मान देना चाहिए और उनका कहना मानना चाहिए।कार्यक्रम के समापन के समय सभी बच्चों ने अपनी अपनी मम्मियों को अनेकों उपहार और अपने द्वारा बनाए गए बुके भेंट किया।अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्य ने सभी आए हुए अभिभावकों का धन्यवाद दिया।

वैकल्पिक रास्ता 30 घंटे बाद दुरुस्त, हल्के वाहनों का आवागमन शुरू

उन्नाव, (संवाददाता)। निर्माणाधीन दोस्तीनगर पुलिया में नहर का पानी आने से बहे वैकल्पिक रास्ते को 30 घंटे बाद दुरुस्त कर उन्नाव–हरदोई स्टेट हाईवे पर हल्के वाहनों का आवागमन शुरू करा दिया गया। पीडब्ल्यूडी ने नहर विभाग से 10 दिन तक पानी न छोड़ने की मांग की है। हरदोई–उन्नाव राज्यमार्ग पर दोस्तीनगर में शारदा नहर पर 12 मीटर चौड़ी और 25 मीटर लंबी नई पुलिया बनाई जा रही है। पीडब्ल्यूडी ने नहर में हल्के पाइप डालकर वैकल्पिक रास्ता बनाया था। शारदा नहर में पानी आने से निर्माणाधीन पुलिया के पास डाली गई पाइप से पानी नहीं निकल सका।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।